

फार्मासिस्ट के लंबित पदों के उन्नयन की रखी मांग...

**‘दवा खरीदी व गुणवत्ता की जवाबदेही
गैर तकनीकी व्यक्ति व बाबुओं के भरोसे’**

छग फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने दवाओं की खरीदी के मामले से नेता प्रतिपक्ष को कराया अवगत

परिष्कार न्यूज़ नेटवर्क

2008 / 2009

प्रतापपुर जमीनमाइ फार्मसिस्ट
एनर्जिस्टलन समुदाय संघाग के
प्रतिनिधि मंडल ने वेत प्रक्षिप्त
टीएस सिस्टेले से मुलकात कर
समक्य विभाग से डराओ की
मुलकात एवं निष्पत्ति घासोले के
संरक्षण के साथ फार्मसिस्ट के
सिस्टि कर्त के उत्पन्न हो
अवश्यक पहल करने की माग
की। वेत प्रक्षिप्त ने घासोले को
मफीश्वर से शिप जमने
विभागमाइ के फार्मसिस्टों ने
जमान के समय घासोले को डरने
एवं वकीलक रूप से मुलकात की
पद निष्पत्ति निष्पत्ति की माग
कर आग्रहान दिया।

एश्वर्यसिद्धान्त के प्रतिनिधि



नोटा पडिजातु वाी तमससय व मानीय तं आकमल कलपता पडिनीधमडल

भारत ने नेता प्रतिपक्ष से पोट कर
एकजो की मुण्डनवापस करीते है
विचारण के लिए प्रार्थनासिस्ट के पद
को ज्ञापन समेत अन्य स्थानों से
अवकाश करण। कांसीसिस्ट ने
उने काका के राज्य में कई बार
एकजो के कारण अग्रिम सिविल
का सम्पन्न करना पडा है जिससे
जनता के साथ राज्य की अर्थभी
भूमिज हुई। राज्य से इन प्रत्यजों
के वाकवाट जल्दतारा जगद पड

एकड़ों की खरीद व मुग़लत की ज़मानेकी पैर तकनीकी ज़बिन आयन बहुरी के अरुने है। इस कारण ज़माना व मीन अनुपम समय पर एक ज़माना संभवो को नही मिल पाती। यही अद्वितीय लोभ के खरीदी किए मू एकड़ों के मुग़लत पर भी सही रहता है, जो आयनन के सवाय पर विपरीत असर भी डाल पाता है। एकड़ों के निर्दिष्ट

[illegible]

हकि पूरे राज्य के लोहों को गुणवत्तापूर्ण ढाब मिल सके। साथ ही पर्यावरणीय धरातल का भी ध्यान हो सके। ऐसा होने पर लोगों को सही ढाब मिलने के साथ परम्परागत ढाब पर कार्य करने वालों को फायदेमंद का अवसर भी मिल सकेगा। परम्परागत ढाब ने बताया कि राज्य में आज भी कृषि से हुए फायदे को बचाने के बचत करने वाले का ध्यान हो चुका है। दूसरे ओर राज्य के कई जिलों में नियमों को ठीक पर रखकर कृषि से हो कर तकनीकी लोहों के भंडार मिल रहे हैं। राज्य सरकारों ने ध्यान का कार्य करवा रहे हैं। हमने को समझते हैं लोहों हुए नेता प्रतिक्रिया से इस मुद्दे को विचारन करने में लगने से जल्द निष्कर्षण करने का आश्वासन दिया। ज्ञान औरने वालों में मोहम्मद कबीर, अजित प्रकाश मिश्र, सुनील वर्मा, राम बरामा मिश्र, हरेन्द्र नेतान, विनाय काल, उषा अजीत दुबे, राम सहाय शेर, सुनील नाथ, बरामा नाथ, रमेश देव जर्मन, मीनार मंडल, अरविंद पाल, सुदीप खड्ग, अमित मिश्रादेव, सुदीप साहू समेत अन्य लोग शामिल हैं।

सामूहिक अवकाश पर
रहेंगे अधिकारी-कर्मचारी

मुरादपुर ७ पॉकिंग जल अधिकारी कार्यालय के दोहरीन ने सुखी नदी को लेकर एक बैठक का आयोजन कर अदालत को लपेटित पर विचार-विमर्श किया है। अधिकारी-कार्यालय के दोहरीन के अलावा उपस्थित थे बताया कि प्रारंभिक निकास के अलावा पर पर्यावरण को प्रभावित नहीं

आयोजित की गई थी। इसमें 29 जून को सम्मेलित अन्धकार लेखकों के सम्मेलन में प्रदर्शन किए जाने के निर्णय पर विचार-विमर्श करते हुए अधिक से अधिक उपस्थिति का आह्वान किया गया है। बैठक में नजीर खान, लेखनश्रमण हानी, टासन्द पैरे, अरबे सिखरी सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-

बस्ती से गुजरे हाईवोल्टेज तार की ऊंचाई
बेहद कम, खतरे के साए में जी रहे ग्रामीण

सुरभूमि ७ राजिका, किराणियों के हाथों ने वे घर के तार से गुनगुना 33 केन्टी के लंगुर तार को जंघा बंधि जंघे की परतबाद जलजल से की है। हाथों को बाजल है कि डोले व शेरद बाजल डोले से मुक्ता का हाई फोटेन ताज उनके शिर मुषीनत हो नई बलिज जलजल भी राजिका हो रही है। राजिका के अनुसार किराणियों के लोहापला बलि के



बेहद कम है और तब भी कानोरी डील है, जिससे माफ़ूमों से हवा के झोंकों से भी तार टूट कर उनके फों पर गिर जाता है और अगर दिन

है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी के दौरान येने में एक खतरने में एक युवक को मौत हो गई है। कम ऊँचाई से गुरावे तक के कारण इस मस्ती को ज़रूरी है जो उसी के अलिकट फ़िराक के लोग खतरने के बीच रहने को विवश है। राष्ट्रीय ने इस और कलेक्टर का ध्यान अकसरित करो। हत रातों को ऊँचाई कानूने व मजबूत करने की गुजरनी की है। तबकि

र आया



विभिन्न मांगों को लेकर नेता प्रतिपक्ष से मिले फार्मासिस्ट

स्वास्थ्य विभाग में दवाओं की गुणवत्ता एवं नियंत्रित फार्मसी के संचालन के साथ फार्मासिस्ट के लक्षित पदों के उन्नयन हेतु आवश्यक पहल करने की मांग

समवेत शिखर खंडाकर

अंबिकापुर । उत्तीसगढ़ फार्मासिस्ट एसोसिएशन संयुक्त संघ के प्रतिनिधि मंडल ने नेता प्रतिपक्ष टी एस सिंदहेव से मुलाकात कर स्वास्थ्य विभाग में दवाओं की गुणवत्ता एवं नियंत्रित फार्मसी के संचालन के साथ फार्मासिस्ट के लक्षित पदों के उन्नयन हेतु आवश्यक पहल करने की मांग की नेता प्रतिपक्ष ने मामले को भीमरत से लिया उन्होंने विधानसभा के ध्वनिकर्षण में शासन के समक्ष मामले को उठाने एवं व्यक्तिगत रूप से मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर नियुक्ति का मांग करने का आश्वासन दिया

20 जून को देर शाम फार्मसी एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने नेता प्रतिपक्ष से भेंट कर दवाओं की गुणवत्ता युक्त खरीदी व वितरण के लिए फार्मासिस्ट के पदों का उन्नयन समेत अन्य मांगों से अवगत कराया, इस संधि पर नेता प्रतिपक्ष ने पत्र को बारीकी से अध्ययन कर मामले को संवेदनशील व जनहित से जुड़ा मान मामले को विधानसभा के ध्वनिकर्षण में उठाने व मुख्यमंत्री को लक्षित नियुक्ति करने पत्र लिखकर ध्यानाकर्षित कराने का आश्वासन दिया, उन्होंने प्रतिनिधि मंडल से चर्चा कर फार्मासिस्ट



के समस्याओं व मांगों के संबंध में विस्तार से चर्चा किया, फार्मासिस्टों ने उन्हें बताया कि राज्य में कई बार दवाओं के कारण अग्रिम स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, जिससे जनहानि के साथ राज्य की छवि भी भूमित हुई, राज्य में इन घटनाओं के बावजूद ज्यादातर जगह पर दवाओं की खरीद व गुणवत्ता की जवाबदेही पर तकनीकी व्यक्ति अथवा बाबुओं के भरोसे है, जिस कारण जबरत व मांग अनुसार समय पर दवा स्वास्थ्य संस्थाओं को नहीं मिल पाता वहीं अप्रशिक्षित लोगों के खरीदी किये गए दवाओं के गुणवत्ता पर भी सदिह रहता है, जो आमजन के स्वास्थ्य पर विपरीत असर भी डाल जाता है, दवाओं के नियंत्रित एवं गुणवत्तापूर्ण खरीदी एवं आपूर्ति

के साथ वितरण हेतु वर्ष 2012 में आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएँ, संचालक स्वास्थ्य सेवाएँ एवं संचालक चिकित्सा शिक्षा द्वारा उत्तीसगढ़ शासन को स्वीकृत पदों को उन्नयन कर स्वास्थ्य केंद्र स्तर के साथ ब्लॉक, जिला एवं राज्य स्तर पर पद का सुजन कर अनुभवी फार्मासिस्ट के द्वारा इन कार्यों को करने की अनुरोध की ताकि पूरे राज्य के लोगों को गुणवत्तापूर्ण दवा मिल सके साथ ही फार्मसी एक्ट के भी पालन हो

सके और भविष्य में पूर्व के वर्षों में हुये अग्रिम घटनाओं को टाला जा सके, ऐसा होने पर लोगों को सही दवा मिलने के साथ फार्मासिस्ट के पद पर कार्य करने वालों को पदोन्नति का अवसर भी मिल सकेगा, फार्मासिस्टों ने बताया कि राज्य में आज भी पूर्व में हुये घटनाओं के बावजूद पदों का उन्नयन व सुजन तो दूर अब भी राज्य के कई जिलों में नियमों को ताक पर रखकर बाबुओं व गैर तकनीकी लोगों के भरोसे जिला स्तर पर दवा खरीदी व वितरण का कार्य करया जा रहा है, अप्रशिक्षित लोगों द्वारा कार्य करने से गुणवत्तापूर्ण एवं समय पर दवा नही खरीदी की जा रही है वहीं दवा खरीदी का बजट भी लेप्स हो रहा है।

भूल गांधी के 48वें
ई प्रदेश अध्यक्ष
पंजीयन शिखर
मुदायिक स्वास्थ्य
तरित किया गया।
केश राजवाड़े के
नुरूप निष्ठापूर्वक
लप दिलाया गया।
मरीजों को फल
गंगा राजवाड़े पूर्व
सचिव महिला
रुयश राहुल गांधी
दीप्ती स्वाई,
थत थे
मरीजों को फल
रुयश राहुल गांधी
वसर पर प्रतापपुर
में युवा कांग्रेस के
गाडफनगर जाकर
जन्म दिवस की
में ब्लाक कांग्रेस
गाद यादव, महिला
ललिता राजवाड़े

बैठक

फार्मासिस्ट एसोसिएशन के संभाग के प्रतिनिधिमंडल ने नेता प्रतिपक्ष सिंहदेव को सौंपा ज्ञापन, आश्वासन

दवाओं की क्वालिटी पर कंट्रोल के लिए फार्मासिस्टों के लंबित पदों को अपग्रेड करने की मांग

भास्कर संवाददाता | प्रतापपुर

छत्तीसगढ़ फार्मासिस्ट एसोसिएशन सरगुजा संभाग के प्रतिनिधि मंडल ने नेता प्रतिपक्ष टीएस सिंहदेव से मुलाकात कर स्वास्थ्य विभाग में दवाओं की गुणवत्ता एवं नियंत्रित फार्मसी के संचालन के साथ फार्मासिस्ट के लंबित पदों के उन्नयन हेतु आवश्यक पहल करने की। श्री सिंहदेव ने इस मामले में विधानसभा के ध्यानाकर्षण में शासन के समक्ष मामले को उठाने एवं व्यक्तिगत रूप से मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर निराकरण की मांग करने का आश्वासन दिया। 20 जून को देर शाम फार्मसी एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने नेता प्रतिपक्ष से भेंट कर दवाओं की गुणवत्ता युक्त खरीदी व वितरण के लिए फार्मासिस्ट के



पदों का उन्नयन समेत अन्य मांगों से अवगत कराया। नेता प्रतिपक्ष ने पत्र का वारीकी से अध्ययन कर मामले को संवेदनशील व जनहित से जुड़ा मान मामले को विधानसभा के ध्यानाकर्षण में उठाने का आश्वासन दिया। फार्मासिस्टों ने उन्हें बताया कि राज्य में कई बार दवाओं के कारण अस्थिर स्थिति

का सामना करना पड़ा है, जिससे जनहानि के साथ राज्य की छवि भी भूमित हुई। राज्य में इन घटनाओं के बावजूद ज्यादातर जगह पर दवाओं की खरीद व गुणवत्ता की जवाबदेही गैर तकनीकी व्यक्ति अथवा बाबुओं के भरोसे है, जिस कारण जरूरत व मांग अनुसार समय पर दवा स्वास्थ्य संस्थाओं को नहीं मिल

पाता। वहीं अप्रशिक्षित लोगों के खरीदी की गई दवाओं की गुणवत्ता पर भी संदेह रहता है। दवाओं के नियंत्रित एवं गुणवत्तापूर्ण खरीदी एवं आपूर्ति के साथ वितरण हेतु वर्ष 2012 में आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं, संचालक स्वास्थ्य सेवाएं एवं संचालक चिकित्सा शिक्षा द्वारा छत्तीसगढ़ शासन को स्वीकृत पदों को उन्नयन कर स्वास्थ्य केंद्र स्तर के साथ ब्लॉक, जिला एवं राज्य स्तर पर पद का सृजन कर अनुभवी फार्मासिस्ट द्वारा इन कार्यों को कराने की अनुरोध की गई थी ताकि पूरे राज्य के लोगों को गुणवत्तापूर्ण दवा मिल सके। साथ ही फार्मसी ऐक्ट का भी पालन हो सके। ऐसा होने पर लोगों को सही दवा मिलने के साथ फार्मासिस्ट के पद पर कार्य करने वालों को पदोन्नति का अवसर भी मिल सकेगा।



वेरला-श्री स्वामिना
मुक्तवाइभदासजी स
मालावरपू के निर्देश
गया। इस अवसर प
बताते हुए कहा कि
विद्यालय के हिन्दी अ
कहा कि करो योग स
बजासन, गोमुखासन
बल्कि इसे किया तथ
नमस्कार अनेक आ
लाभ मिल जाता है।
प्राणायाम के साथ ही
भी छात्रों ने आनंद लि
दिवस के अवसर पर
कही। इस अवसर पर

Open Thumbnail

1 2 3 4

दवा खरीदी व फार्मासिस्ट के लंबित पदों को लेकर एसोसिएशन ने नेता प्रतिपक्ष से की मुलाकात

-नेता प्रतिपक्ष ने कहा वे विस व मुख्यमंत्री को व्यक्तिगत रूप से लिखेंगे पत्र



प्रतापपुर (अंस)। छत्तीसगढ़ फार्मासिस्ट एसोसिएशन सरगुजा संभाग के प्रतिनिधि मंडल ने नेता प्रतिपक्ष टी एस सिंहदेव से मुलाकात कर स्वास्थ्य विभाग में दवाओं की गुणवत्ता एवं नियंत्रित फार्मेसी के संचालन के साथ फार्मासिस्ट के लंबित पदों के उन्नयन हेतु आवश्यक पहल करने की मांग की। नेता प्रतिपक्ष ने मामले को गंभीरता से लिया और उन्होंने विधानसभा के ध्यानाकर्षण में शासन के समक्ष मामले को उठाने एवं व्यक्तिगत रूप से मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर निराकरण की मांग करने का आश्वासन दिया।

20 जून को देर शाम फार्मेसी एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने नेता प्रतिपक्ष से भेंट कर समस्याओं व मांगों के संबंध में विस्तार से चर्चा किया। फार्मासिस्टों ने उन्हें बताया कि राज्य में कई बार दवाओं के कारण अप्रिय स्थिति का सामना करना पड़ा है, जिससे जनहानि के साथ राज्य की छवि भी

धूमिल हुई। राज्य में इन घटनाओं के बावजूद ज्यादातर जगह पर दवाओं की खरीद व गुणवत्ता की जवाबदेही गैर तकनीकी व्यक्ति अथवा बाबुओं के भरोसे है, जिस कारण जरूरत व मांग अनुसार समय पर दवा स्वास्थ्य संस्थाओं को नहीं मिल पाता वहीं अप्रशिक्षित लोगों के खरीदी किये गए दवाओं के गुणवत्ता पर भी संदेह रहता है, जो आमजन के स्वास्थ्य पर विपरीत असर भी डाल जाता है। दवाओं के नियंत्रित एवं गुणवत्तापूर्ण खरीदी एवं आपूर्ति के साथ वितरण हेतु वर्ष 2012 में आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं, संचालक स्वास्थ्य सेवाएं एवं संचालक चिकित्सा शिक्षा द्वारा छत्तीसगढ़ शासन को स्वीकृत पदों को उन्नयन कर स्वास्थ्य केंद्र स्तर के साथ ब्लॉक एजिला एवं राज्य स्तर पर पद का सृजन कर अनुभवी फार्मासिस्ट के द्वारा इन कार्यों को कराने की अनुशंसा की, ताकि पूरे राज्य के लोगों को गुणवत्तापूर्ण दवा मिल सके, साथ ही फार्मेसी एक

के भी पालन हो सके और भविष्य में पूर्व के वर्षों में हुवे अप्रिय घटनाओं को टाला जा सके। ऐसा होने पर लोगों को सही दवा मिलने के साथ फार्मासिस्ट के पद पर कार्य करने वालों को पदोन्नति का अवसर भी मिल सकेगा। फार्मासिस्टों ने बताया कि राज्य में आज भी पूर्व में हुवे घटनाओं के बावजूद पदों का उन्नयन व सृजन तो दूर अब भी राज्य के कई जिलों में नियमों को ताक पर

रखकर बाबुओं व गैर तकनीकी लोगों के भरोसे जिला स्तर पर दवा खरीदी व वितरण का कार्य कराया जा रहा है। अप्रशिक्षित लोगो द्वारा कार्य करने से गुणवत्तापूर्ण एवं समय पर दवा नहीं खरीदी की जा रही है वहीं दवा खरीदी का बजट भी लैप्स हो रहा है। खरीदी समय पर न होने से कई जगह दवा की भी कमी स्वास्थ्य केंद्र में दिखाई पड़ती है। मामले को बहुत ही गंभीरता से लेते हुवे उन्होंने तत्काल विधानसभा में उठाने व उचित निराकरण कराने का आश्वासन दिया ज्ञापन सौंपने वालों में मोहम्मद वसीम, अतुल प्रताप सिंह, सुजीत कश्यप, हेम नारायण मिश्रा, राजेन्द्र नेताम, विजय यादव, तरुण आदित्य दुबे, राम सेवक पोते, सुनील नाग, सावन साय मरावी, रजेश देव शर्मान, महिनाथ मंडल, अरविंद भगत, सुरेंद्र वादव, अमित मिसौदिया, सुरेंद्र साहू समेत अन्य लोग शामिल थे।

अप्रशिक्षित लोगों से खरीदी जा रही दवाईयां संदेह में

■ नवभारत रिपोर्टर।
केरता/प्रतापपुर.

छत्तीसगढ़ फार्मासिस्ट एसोसिएशन सरगुजा संभाग के प्रतिनिधि मंडल ने स्वास्थ्य विभाग में दवाओं की गुणवत्ता एवं नियंत्रित फार्मसी के संचालन के साथ फार्मासिस्ट के संबंधित पदों के उन्नयन हेतु आवश्यक पहल करने की मांग की नेता प्रतिपक्ष टीएस सिंहदेव को ज्ञापन सौंपकर की है. नेता प्रतिपक्ष ने मामले को गंभीरता से लिया, उन्होंने विधानसभा के ध्यानाकर्षण में शासन के समक्ष मामले को उठाने एवं व्यक्तिगत रूप से मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर निराकरण की मांग करने का आश्वासन दिया.

फार्मासिस्टों ने उन्हें बताया कि राज्य में कई बार दवाओं के कारण अप्रिय स्थिति का सामना करना पड़ा है, जिससे जनहानि के साथ राज्य की छवि भी धूमिल हुई, राज्य में इन घटनाओं के बावजूद ज्यादातर जगह पर दवाओं की खरीद व गुणवत्ता की जवाबदेही गैर तकनीकी व्यक्ति अथवा बाबूओं के भरोसे है, जिस



नेता प्रतिपक्ष से चर्चा करते एसोसिएशन के सदस्य

कारण जरूरत व मांग अनुसार समय पर दवा स्वास्थ्य संस्थाओं को नहीं मिल पाता.

वही अप्रशिक्षित लोगों के खरीदी किये गए दवाओं के गुणवत्ता पर भी संदेह रहता है. जो आमजन के स्वास्थ्य पर विपरीत असर भी डाल जाता है, दवाओं के नियंत्रित एवं गुणवत्तापूर्ण खरीदी एवं आपूर्ति के साथ वितरण हेतु वर्ष 2012 में आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं, संचालक स्वास्थ्य सेवाएं एवं संचालक चिकित्सा शिक्षा द्वारा छत्तीसगढ़

शासन को स्वीकृत पदों को उन्नयन कर स्वास्थ्य केंद्र स्तर के साथ ब्लक, जिला एवं राज्य स्तर पर पद का सृजन कर अनुभवी फार्मासिस्ट के द्वारा इन कार्यों को कराने की अनुशंसा की ताकि पूरे राज्य के लोगों को गुणवत्तापूर्ण दवा मिल सके साथ ही फार्मसी एक्ट के भी पालन हो सके और भविष्य में पूर्व के वर्षों में हुए अप्रिय घटनाओं को टाला जा सके, ऐसा होने पर लोगों को सही दवा मिलने के साथ फार्मासिस्ट के पद पर कार्य करने वालों को पदोन्नति का

अवसर भी मिल सकेगा, फार्मासिस्टों ने बताया कि राज्य में आज भी पूर्व में हुए घटनाओं के बावजूद पदों का उन्नयन व सृजन तो दूर अब भी राज्य के कई जिलों में नियमों को ताक पर रखकर बाबूओं व गैर तकनीकी लोगों के भरोसे जिला स्तर पर दवा खरीदी व वितरण का कार्य कराया जा रहा है, अप्रशिक्षित लोगों द्वारा कार्य करने से गुणवत्तापूर्ण एवं समय पर दवा नहीं खरीदी की जा रही है, वही दवा खरीदी का बजट भी लैप्स हो रहा है, खरीदी समय पर न होने से कई जगह दवा की भी कमी स्वास्थ्य केंद्र में दिखाई पड़ती है, मामले को बहुत ही गंभीरता से लेते हुए उन्होंने तत्काल विधानसभा में उठाने व उचित निराकरण कराने का आश्वासन दिया. ज्ञापन सौंपने वालों में मोहम्मद वसीम, अतुल प्रताप सिंह, सुजीत कश्यप, हेम नारायण मिश्रा, राजेन्द्र नेताम, विजय यादव, तरुण आदित्य दुबे, राम सेवक पोर्ते, सुनील नाग, सावन साय मरावी, रत्नेश देव शर्मा, महिनाथ मंडल, अरविंद भगत, सुरेंद्र यादव, अमित सिसौदिया, सुरेंद्र साहू, समेत अन्य लोग शामिल थे.

फार्मासिस्टों ने स्वास्थ्य सचिव को ज्ञापन सौंपा

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के फार्मासिस्ट प्रकोष्ठ ने स्वास्थ्य सचिव आर. प्रसन्ना से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। संघ के महामंत्री अश्वनी गुर्देकर ने बताया कि स्वास्थ्य सचिव को लिखित में दे दिया गया है कि सरकारी अस्पतालों में पदस्थ फार्मासिस्ट अब आरएमए की पर्ची पर दवा नहीं देंगे।

फार्मासिस्ट मांगेंगे डॉक्टर लिखने की अनुमति

कोरबा। छत्तीसगढ़ फार्मासिस्ट एसोसिएशन द्वारा डॉक्टर लिखने एवं इलाज करने की मांग की जाएगी।

एसोसिएशन के प्रांतीय संयोजक प्रेमेश्वर देवांगन ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग में फार्मासिस्टों को अखिल भारतीय तकनीकी संस्थान एवं फार्मैसी एक्ट 1948 के तहत फार्मैसी काउंसिल आफ इंडिया से मान्यता प्राप्त कॉलेज से पाठ्यक्रम उत्तीर्ण कर एवं राज्य के फार्मैसी काउंसिल में पंजीयन उपरांत ही फार्मासिस्ट का पद प्राप्त होता है। फार्मासिस्ट डिग्री एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम में दवाइयों की फार्माकलोजी, बीमारियों की पैथोलॉजी, कैमिस्ट्री, साइड अफैक्ट, कान्ट्राइंडीकेशन्स के बारे में गहन अध्ययन करते हैं। अतः अध्ययन उपरांत किसी भी चिकित्सक से कमतर नहीं होते। इन्हीं सब क्षमताओं के मद्देनजर देश के अन्य राज्यों जैसे उत्तरप्रदेश में फार्मासिस्टों द्वारा डॉक्टर लिखा जाता है। उड़ीसा में चिकित्सक की अनुपस्थिति में इलाज करने की पूर्ण छूट है एवं देश के समस्त फार्मासिस्ट 29 जुलाई को जंतर मंतर नई दिल्ली में इस मांग को लेकर

प्रदर्शन भी करने वाले हैं। फार्मासिस्ट डॉक्टर के अभाव एवं अनुपस्थिति में वर्षों से स्वास्थ्य सेवाओं का संभालते आया है। अतः अध्ययन, पत्रोपाधि, ज्ञान, क्षमता को दृष्टिगत रखते हुए छग फार्मासिस्ट एसोसिएशन शासन से विकसित देशों की तर्ज पर डॉक्टर लिखने एवं इलाज करने की मांग के साथ समान कार्य, समान वेतनमान की मांग करेगा।

चार सूत्रीय मांगों को लेकर फार्मासिस्ट ने दिया धरना

फार्मासिस्ट क्रांति

- बूढ़ा तालाब धरना स्थल पर प्रदर्शन कर निकाली विरोध रैली
- एक दिन पहले काली पट्टी लगाकर प्रदेश सरकार व प्रशासन का जताया विरोध

● नवभारत रिपोर्टर | रायपुर

www.navabharat.news

इंडियन फार्मासिस्ट एसोसिएशन (आईपीए) के बैनर तले मंगलवार को प्रदेशभर के फार्मासिस्ट ने बूढ़ा तालाब स्थित धरना स्थल पर विरोध प्रदर्शन किया. इसके अलावा चार सूत्रीय मांगों को लेकर फार्मासिस्ट ने रैली निकालकर राज्य सरकार के खिलाफ विरोध जताया. फार्मासिस्ट के आंदोलन से कई जगहों पर दवा वितरण व्यवस्था ठप होने से लोगों को काफी परेशानी हुई. इसके एक दिन पहले सोमवार को फार्मासिस्ट ने काली पट्टी लगाकर प्रदेश सरकार व प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया था. राज्य सरकार द्वारा फार्मासिस्टों की लगातार की



भर्ती, कैडर समेत कई मांगे

राज्यभर के 6232 शासकीय अस्पतालों में फार्मसी एक्ट एव फार्मसी प्रेक्टिस रेगुलेशन के प्रावधानुसार फार्मासिस्ट पद पर भर्ती, शासकीय फार्मासिस्ट का स्टार्टिंग ग्रेड पे 4200 एवं राज्य में पांच स्तरीय फार्मासिस्ट कैडर का निर्माण, फार्मासिस्ट की डिग्री किराए पर लेकर चलाए जा रहे अवैध मेडिकल स्टोर सील कर कार्रवाई करने एवं सरकार के घोषणा पत्र के अनुसार एनएचएम एवं आरबीएसके के अनियमित फार्मासिस्ट कर्मचारियों को नियमित करने आदि मांग शामिल है.

मेकाहारा में दवा के लिए परेशान रहे लोग

फार्मासिस्ट के आंदोलन के कारण मेकाहारा भारतीय रेडक्रास मेडिकल स्टोर बंद था. इसके कारण इलाज कराने आए लोगों को यहां दवा नहीं मिल पाया. साथ ही भर्ती मरीजों को भी दवा के लिए परेशान होना पड़ा. कई लोगों को मजबूरन निजी मेडिकल स्टोर से दवा खरीदनी पड़ी.

जा रही अनदेखी को देखते हुए यह आंदोलन किया गया. इस आंदोलन को 'फार्मासिस्ट क्रांति' का नाम दिया गया था. इस धरना प्रदर्शन में प्रदेशभर के रेगुलर शासकीय फार्मासिस्ट, एनएचएम एवं आरबीएसके व

सीजीएमएससी फार्मासिस्ट, एम्स, जेल विभाग, रेलवे, मेडिकल स्टोर में कार्यरत, दवा प्रतिनिधि, दवा व्यवसायी, शिक्षक व बेरोजगार फार्मासिस्ट सहित इससे जुड़े प्रत्येक लोग आंदोलन में शामिल हुए.

फॉर्मासिस्टों को नहीं मिल रही है पदोन्नति मंत्री को ज्ञापन



नाई
सारे
नया
या।
धी
गोग
गथ
। से

ाल
बुरी
पद
नोई
हुल
एक
गारी

रायपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। छत्तीसगढ़ फॉर्मासिस्टम एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को स्वास्थ्य मंत्री अजय चंद्राकर, स्वास्थ्य सचिव निहारिका बारिक से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। एसोसिएशन के प्रांताध्यक्ष अश्वनी गुर्देकर ने बताया कि आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं के 22 जनवरी, 2014 के प्रस्ताव, 13 फरवरी, 2017 के उल्लेख के अनुसार फॉर्मासिस्टों के पदों का उन्नयन मूलतः नियंत्रित फॉर्मैसी सेवा स्थापित करने के लिए किया जाना है, जो जन स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए अति आवश्यक है। राज्य में अब सेंट्रल पर्चेसिंग से दवा सप्लाई संचालित है, जिसमें राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर मुख्यालय से संचालन एवं मॉनीटरिंग होती है, लेकिन मुख्यालयों में फॉर्मैसी योग्यताधारी स्टाफ नहीं है। यह कार्य लिपिकीय स्टाफ से हो रहा है। इससे दवा सप्लाई चैन का सटीक, उचित संचालन संभव नहीं है। पूरे सिस्टम में खामी है, मरीजों को आवश्यकता अनुरूप दवाईयां नहीं मिल पा रही। एसोसिएशन का आरोप है कि इन्हीं सब कमियों से सीजीएमएससी के गोदाम में एक करोड़ की दवाईयां एक्सपायर हो चुकी हैं। इनकी मांग है कि फॉर्मासिस्टों की नियुक्ति हो, पदोन्नति पद पर पदोन्नति दी जाए।

Pharmacist: The protagonist behind the scenes

■ By Ashwani Gurdekar

GUEST COLUMN

PHARMACIST day is being celebrated all over the World on September 25. The official announcement and suggestions of its launch in India took place in the year 2010. The suggestion was given by Turkish Pharmacist Association during Federation of International Pharmaceutical (FIP) in 2009 at a meeting at Istanbul, Turkey. FIP Congress approved and FIP was formed on 25 September 1912.

Pharmacy Council of India New Delhi on 30.08.2013, issued letter to all concerned and since year 2013 every year, Pharmacist Day is being celebrated on 25th September.

The main purpose of cele-

bration is to make the society aware of the participation of pharmacists. Death is an absolute truth and between the life and death, the therapist is present in the form of hope.

For the past decades, the opinion of common people about the hospital pharmacist and community pharmacist who has become a socialist, is that he is the only person distributing medicines, which reads prescription medicines and gives them to patients.

Even people who have been educated I do not even know who the pharmacists are. I doubt the amount of medicines written on the pharmacist pre-

scription. In addition to the information about all these topics, the information of the drug's side effects is very good.

Usually, in the hasty way to see a large number of patients and treat all, the doctor only look at the problem and treat the patient.

Today the society and the government need to know how the pharmacist is the strongest pillar of hospital head in management with the arrangement of equipment at a hospital. I therefore, on the basis of my experience, I think that the pharmacist in health service. Due to the right to general medical treatment, as well as according to eligibility for pharmacists in health service Higher posts should be provisioned and

the government should be given the responsibility of the entire system of pharmaceutical equipment to the pharmacist, which will be the full use of the knowledge of the pharmacist. In all the above situations, it is a very meaningful initiative to keep the pharmacist's day in order to maintain the identity of the pharmacist in the society.

(The author is working as a hospital pharmacist at the Dr. Bhim Rao Ambedkar Memorial Hospital in Raipur. He is also President of Chhattisgarh, Pharmacist Association)



फार्मा एसोसिएशन ने की दवा तंत्र में बदलाव की मांग

रायपुर @ पत्रिका. छत्तीसगढ़ फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से राज्य अतिथि गृह में भेंट कर मांगों का ज्ञापन सौंपा है। एसोसिएशन की मांग है कि राज्य में दवा तंत्र में बदलाव किया जाए। इसके पीछे उनका तर्क है कि राज्य में दवा का पर्याप्त बजट होते हुए भी सरकारी अस्पताल दवाओं के अभाव का दंश झेल रहे हैं। जिससे कई मरीज बिना दवाओं के ही अस्पताल से लौट जाते हैं और बाहर से खरीदी करने मजबूर होते हैं। वहीं, डिग्रीधारी फार्मासिस्ट सिर्फ दवा काउंटरों तक ही सीमित हैं। साथ ही ब्लॉक, जिला एवं राज्य मुख्यालय पर डॉक्टरों के मार्गदर्शन में लिपिक दवा संबंधी प्रबंधकीय कार्य करते हैं, जिससे दवा व्यवस्था चौपट है। ऐसे में प्रत्येक मुख्यालय में प्रशिक्षित व अनुभवी फार्मासिस्ट रखने की आवश्यकता है। प्रांताध्यक्ष अश्विनी गुर्देकर के साथ साथ मनोज आयम, पी.एल. बंजारे शामिल थे।

मुख्यमंत्री जी, अस्पतालों में नहीं हैं दवाइयां, मरीज भटक रहे दर-दर

रायपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। छत्तीसगढ़ फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में दवाइयों की कमी से मुख्यमंत्री को अवगत कराया है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने शनिवार को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मुलाकात की। उन्हें बताया कि राज्य में दवा का पर्याप्त बजट होते हुए भी अस्पतालों में दवाओं का अभाव है। प्रतिदिन राज्य में कई मरीज बिना दवा के अस्पतालों से लौट रहे हैं। इससे मरीजों को कठिनाई हो रही है। सरकार की छवि धूमिल हो रही है। दवा व्यवस्था अनवरत बनी रहे और मरीजों का बेहतर इलाज की व्यवस्था हो। प्रतिनिधि मंडल में प्रांताध्यक्ष अश्विनी गुर्देकर, के मनोज आयम, पीएल बंजारे, गायत्री चंद्राकर, ओमप्रकाश देवांगन मौजूद रहे।

फार्मासिस्ट के पदों की भर्ती व्यापम से हो: एसोसिएशन ने मांग की है कि फार्मासिस्ट पदों की भर्ती व्यापम के माध्यम से की जाए, ताकि प्रदेश में बेरोजगार फार्मासिस्ट को जल्द से जल्द रोजगार मिल सके। इससे प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में फार्मासिस्ट की कमी भी दूर होगी और गलत दवा देने की अनहोनी से भी बचा जा सकता है।

नए

75

अब छोटे रकब
रजिस्ट्रियों को

रायपुर। नईदुनिया

2013-14 से पां रकबे की रजिस्ट्री राजस्व की नियम के सीमांकन, बटा नहीं होने से इनकी रही थी। ऐसी जमीन मालिक निम्न और चाहकर भी रजिस्ट्री इसके लिए पूर्ववर्ती आंदोलन भी किया गई। सत्ता में आते उतरते हुए कांग्रेस तीन दिन पहले राज भर की जनता के स बकल दिया। जैसे ह मुखिया भूपेश बघेल को पीड़ितों ने सुना हो गई। अब रायपुर और अन्य ग्रामीण मध्यमवर्गीय लोग की रजिस्ट्री करा पा में लोगों में राहत मिल

that in September last year, the accused duo took two cameras from Dewangan on

and common intention) of Indian Penal Code (IPC), said police sources, adding that further probe in the case is under way.

CPA delegation meets PCI President

■ Staff Reporter

RAIPUR, Jan 28

A DELEGATION of Chhattisgarh Pharmacist Association (CPA) led by the association president and elected member of Chhattisgarh State Pharmacy Council (CSPC) Ashwani Gurdekar on Tuesday met President of Pharmacy Council of India (PCI) Dr B Suresh in Raipur and highlighted several demands as well as problems of pharmacists. Highlighting the plights of pharmacists, Gurdekar informed Dr Suresh that Community Pharmacy Service and Hospital Pharmacy Service are not operating in Chhattisgarh as per the Pharmacy Practice Regulation 2015.

Gurdekar also told the PCI president that



A delegation led by CPA president Ashwani Gurdekar with PCI president Dr B Suresh.

in national health policy. Ayush doctors, pharmacists, BSc and GNM nurse have been described as mid-level service providers but in post of mid-level service provider, like Community Health Officer (CHO), nurse has been included and pharmacists are being ignored.

CPA demands qualified pharmacist as CSPC registrar

■ Staff Reporter

RAIPUR, Jan 28

CHHATTISGARH Pharmacist Association (CPA) has demanded appointment of a qualified pharmacist on the post of Chhattisgarh State Pharmacy Council's (CSPC) registrar as per the rules and regulations of Pharmacy Council of India (PCI).

After formation of Chhattisgarh as separate state, the post of registrar in CSPC till date was held by doctors and currently, the

post is held by Dr Srikanth Rajimwale since 2009, said CPA president Ashwani Gurdekar, elaborating that as per the rules and regulation of PCI, a pharmacist should be appointed as registrar by removing doctor.

The association has raised the demand in this connection before Health Secretary Niharika Barik and Director Health Services Neeraj Bansod, added Gurdekar.

In Gujarat, Delhi and Maharashtra, the council has appointed a pharmacist on the post of registrar as per the law, said Gurdekar.

के अलावा प्रदेश से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु
सब की शुरुआत साल 2001 में की गई थी। तब
योजन होता रहा है। इससे पहले छत्तीसगढ़ में यह

शाला

ने
में

ल जैसा
इके

ल
हा कि
अग्रवाल
देखने
वीय
ते हैं
के लिए

फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने पीसीआई को सौंपा ज्ञापन

रायपुर | प्रदेश के फार्मासिस्टों ने मंगलवार को फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. बी सुरेश का छत्तीसगढ़ आगमन पर स्वागत किया। फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी गुर्देकर ने उन्हें ज्ञापन सौंप कर अपनी समस्याओं के बारे में बताया और उनके निराकरण के लिए आव्हान किया। उन्होंने बताया कि प्रदेश की कम्युनिटी फार्मेसी सेवा और अस्पताल फार्मेसी सेवा को फार्मेसी प्रैक्टिस रेग्युलेशन 2015 के अनुसार संचालित नहीं किया जा रहा है, इस विषय में कई बार शासन को पत्र देकर मांग की जा चुकी है।

आदेश के बाद भी 187 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं

सीपीए ने संचालक स्वास्थ्य सेवाएं से की मुलाकात

नवभारत रिपोर्टर ✦ रायपुर.

www.navabharat.news

छत्तीसगढ़ फार्मासिस्ट एसोसिएशन (सीपीए) के प्रांताध्यक्ष अश्वनी गुर्देकर एवं कार्यकारी अध्यक्ष जय सिंह ने मंगलवार को संचालक स्वास्थ्य सेवाएं छत्तीसगढ़ नीरज बंसोड़ से मुलाकात कर फार्मासिस्ट ग्रेड-2 की भर्ती के लिए शासन से अनुमति प्राप्त रिक्त पदों पर तत्काल भर्ती करने की मांग की. साथ ही फार्मासिस्ट पद की चयन समिति में फार्मसी योग्यताधारी वरिष्ठ फार्मासिस्ट को शामिल करने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी समस्त जिला को आदेशित करने निवेदन किया गया.

बढ़ते मरीजों के कारण बढ़ रहा कार्यबोझ

सीपीए के प्रांताध्यक्ष श्री गुर्देकर ने बताया कि वर्तमान में हर जगह मरीजों की संख्या बढ़ने से फार्मसी के कार्यों में अत्यधिक कार्यबोझ बढ़ गया है. यह भी मांग की गई कि तकनीकी पदों की चयन समिति में संबंधित विषय का एक सदस्य अनिवार्य होता है, चूंकि फार्मसी भी तकनीकी पाठ्यक्रम है. इसे फार्मसी महाविद्यालयों में पढ़ाया जाता है. फार्मसी क्षेत्र का विशेष ज्ञान फार्मासिस्ट को ही होता है, इसलिए मांग की गई है कि फार्मासिस्ट के रिक्त पदों पर तत्काल भर्ती करने के लिए और फार्मासिस्ट पद की चयन समिति में फार्मसी योग्यता धारी वरिष्ठ फार्मासिस्ट को शामिल करने के लिए समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आदेशित किया जाए.



ओ ने
ये सारी

बढ़ाने के लिए नया रायपुर में केंद्रीय
विद्यालय को भूमि आवंटन, गोकुल

संस्थाओं को रियायती दर पर भूखंड
देने का फैसला किया गया है।

ज

अब फार्मासिस्टों ने भी मांगी इलाज करने की अनुमति

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

त में जिन
ोन का
क्टर की
विशेषरूप
पूर्ण है।

पुर
वचाव पर
जाता है।
इलाज है।

र

नुसंधान
झाई गई
दे रहे हैं।

र्या,
र

रायपुर. छत्तीसगढ़ में आयुर्वेद और
यूनानी चिकित्सा उपाधधारियों को
एलोपैथी पद्धति से उपचार का
अधिकार मिलने के बाद
फार्मासिस्टों ने भी उपचार करने का
अधिकार मांगा है। फार्मासिस्टों की
यह मांग पांच साल पुरानी है। इसके
लिए वे प्रमुख सचिव स्वास्थ्य से
लेकर स्वास्थ्य मंत्री एवं मुख्यमंत्री
तक आवेदन पेश कर चुके हैं।

छत्तीसगढ़ फार्मासिस्ट
एसोसिएशन के अध्यक्ष अश्वनी
गुर्देकर ने बताया कि फार्मासिस्टों
को एलोपैथिक पद्धति में दवाओं के
संबंध में तमाम जानकारी दी जाती
है। चिकित्सक के बाद फार्मासिस्ट
ही दवाओं की पर्याप्त जानकारी
रखता है। कई बार चिकित्सकों की
अनुपस्थिति में फार्मासिस्ट ही

मरीजों को दवाइयों पर उचित
सलाह देते हैं। फार्मासिस्ट
एसोसिएशन सवाल उठाया है कि
जब अल्टरनेटिव मेडिसिन
पाठ्यक्रम अर्हताधारी (आरएमए)
को एलोपैथी पद्धति से उपचार के
लिए पात्रता दी गई है। आयुर्वेदिक
व यूनानी चिकित्सा उपाधधारी को
भी अनुमति प्रदान कर दी गई है तो
फार्मेसी डिग्री/डिप्लोमाधारी को
एलोपैथी उपचार के लिए पात्र
घोषित क्यों नहीं किया जा रहा है।

6 फार्मासिस्ट एसोसिएशन की
ओर से इस संबंध में आवेदन
मिला है। उनके आवेदन के आधार
पर परीक्षण कराया जा रहा है कि
कहां तक वे उपचार के लिए पात्र हैं
और क्या स्वतंत्र रूप से उन्हें
अनुमति दी जा सकती है।

सुब्रत साहू,
प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य विभाग



तीन दिन के सामूहिक अवकाश पर रहेंगे फार्मासिस्ट

■ नवभारत रिपोर्टर | रायपुर.

www.navabharat.news

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ और छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा द्वारा 11 से 13 अप्रैल तक सामूहिक अवकाश और धरना प्रदर्शन में फार्मासिस्ट एसोसिएशन के समस्त शासकीय फार्मासिस्ट ने भी शामिल होने का निर्णय लिया है. इन तीन दिनों तक शासकीय दवा स्टोर में शासकीय फार्मासिस्ट काम नहीं करेंगे. छत्तीसगढ़ फार्मासिस्ट

एसोसिएशन के प्रांताध्यक्ष अश्वनी गुर्देकर ने समस्त पदाधिकारी-सदस्यों को इस संबंध में पत्र लिखा है. उन्होंने कहा है कि राज्य में फार्मासिस्ट पद का वेतनमान अत्यंत अल्प है और पदोन्नति के अवसर नगण्य हैं. विगत वर्षों में एसोसिएशन की मांग पर स्वास्थ्य मंत्रालय ने फार्मासिस्ट संवर्ग के लिए पद संरचना व वेतनमान स्वीकृत करने प्रस्ताव पारित किया गया है, उसे दस वर्षों से लंबित रखकर भी सरकार द्वारा लागू नहीं किया जा रहा है.

आरएमए डॉक्टर नहीं

लिखी पर्ची पर दवा नहीं देंगे फार्मासिस्ट

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

ग्रामीण चिकित्सा सहायक (आरएमए) डॉक्टर नहीं है मगर ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों की जांच के बाद दवा लिखी जा रही है। फार्मासिस्टों ने आरएमए की पर्ची पर दवा नहीं देने का फैसला लिया है और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से इस मामले में गाइडलाइन मांगी है।

फार्मासिस्टों ने स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव और सचिव को सौंपे गए पत्र में बताया है कि स्वास्थ्य

■ शासन
से मांगी
गाइडलाइन

विभाग में कार्यरत तृतीय श्रेणी कर्मचारी आरएमए एलोपैथी में प्रैक्टिस करने मान्य नहीं है। इसके बाद भी उनके द्वारा स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों की जांच के बाद उन्हें कई तरह की दवाएं लिख रहे हैं जो आम लोगों के लिए जोखिम भरा हो सकता है। फार्मसी एक्ट में जिक्र है कि पंजीकृत मेडिकल प्रैक्टीशनर द्वारा ही एलोपैथी की दवा मरीजों को लिखी जा सकती है और उसे ही फार्मासिस्ट द्वारा विधिमान्य किया जाता है। स्वास्थ्य केंद्रों में आरएमए द्वारा नियम के विपरीत दवा लिख रहे हैं फार्मासिस्ट, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ उसे मान्य कर रहा है। फार्मासिस्ट दवा देने के लिए आरएमए की पर्ची को मान्य नहीं करना चाहते इसके लिए उन्होंने शासन से स्पष्ट दिशा निर्देश जारी करने की मांग की है। प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के महमंत्री तथा फार्मासिस्ट अश्वनी गुर्देकर ने इस मामले में 15 दिन के भीतर निर्देश जारी करने की मांग की है।

विवाद होना बेक

आरएमए की पर्ची पर दवा नहीं देंगे फार्मासिस्ट

रायपुर। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में पदस्थ फार्मासिस्ट अब आरएमए की पर्ची पर दवा नहीं देंगे। फार्मासिस्टों का कहना है कि आरएमए मरीजों को मनमानी दवाएं लिख रहे हैं।

छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के फार्मासिस्ट प्रकोष्ठ की बैठक में यह फैसला लिया गया है। बैठक शुक्रवार को यहां संघ के कार्यालय में हुई। बैठक में संघ के पदाधिकारियों के साथ - साथ बड़ी संख्या में फार्मासिस्ट उपस्थित थे। बैठक में फार्मासिस्टों ने कहा कि वे सम्मानजनक वेतन और पदोन्नति से वंचित हैं। शासन द्वारा मितानिनों से दवा वितरित करवाई जा रही है। दवाओं के गलत वितरण और साइड इफेक्ट का डाटा आखिर कहां एकत्रित किया जा रहा है? सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में तृतीय श्रेणी के कर्मचारी आरएमए धड़ल्ले से दवाइयां लिख रहे हैं।

अनुमति के लिए दो दिन से लगा रहे थे चक्कर...

नेहरू चौक पर फार्मासिस्टों की हड़ताल आज से

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

patrika.com

बिलासपुर. छत्तीसगढ़ यूथ फार्मासिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारी आंदोलन की अनुमति लेने के लिए प्रशासनिक व पुलिस दफ्तर का चक्कर लगा रहे थे। शक्रवार से नेहरू चौक पर फार्मासिस्टों द्वारा कलेक्टर को हटाने समेत नौ सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन शुरू करेंगे। छत्तीसगढ़ यूथ फार्मासिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारी बुधवार को नेहरू चौक पर क्रमिक भूख हड़ताल शुरू करने की अनुमति के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के कार्यालय गए। एसडीएम

लगातार

साथ ज्ञापन...

फार्मासिस्टों ने कलेक्टर के खिलाफ दिया धरना



पत्रिका

14 नवंबर 2017

के अवकाश पर होने की सूचना उसके स्टेनो राजकुमार विश्वकर्मा ने दी। इसके साथ ही स्टेनो ने एसडीएम के अवकाश से लौटने के बाद भी आवेदन देने की बात कहकर फार्मासिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों का आवेदन लेने से इनकार कर दिया।

स्टेनो ने दी नसीहत

एसडीएम के स्टेनो ने फार्मासिस्टों को नसीहत दे डाली। उसने कहा कि नेहरू चौक से मुंगेली नाका चौक तक बरना, प्रदर्शन, रैली, भूख हड़ताल करने की अनुमति नहीं है। इसलिए नेहरू चौक पर आंदोलन नहीं कर सकते।

तुरंत नहीं मिलेगी अनुमति

फार्मासिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने गुरुवार को पुलिस अधीक्षक मयंक श्रीवास्तव से मीट कर नेहरू चौक पर भूख हड़ताल करने की अनुमति मांगी। उन्होंने तुरंत अनुमति देने से इनकार कर दिया।

आंदोलन की सूचना दी

छत्तीसगढ़ यूथ फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष राहुल वर्मा ने बताया कि कलेक्टर को हटाने की मांग को लेकर बुधवार से नेहरू चौक पर आंदोलन शुरू किया जाएगा। वर्मा ने बताया कि एसोसिएशन की अन्य मांगों में किराए पर दवा दुकानें संचालित करने वाले के खिलाफ कार्यवाही करने, सहायक औषधि नियंत्रक, दो औषधि निरीक्षक के खिलाफ जांच व कार्रवाई करने, राज्य में फार्मासिस्ट कानून के नियमों का पालन करने आदि मांगें शामिल हैं। वर्मा ने कहा कि एसडीएम व पुलिस अधीक्षक कार्यालय को आंदोलन की सूचना दे दी गई है।